Series **E1GFH/5**

Set No. 2

प्रश्न-पत्र कोड **2/5/2**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में* ***दो*** *खंड हैं –* ***खंड-'अ'*** *और* ***'ब'*** *। कुल प्रश्न 13 हैं ।*

(ii) ***खंड-'अ'*** *में 45 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 उपप्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

(iii) ***खंड-'ब'*** *में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

(iv) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।*

(v) *दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

(vi) *यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

खंड – 'अ'

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – **5 × 1 = 5**

काव्यांश-एक

प्रतीक्षा की
बहुत जोही बाट
जेठ बीता, हुई वर्षा नहीं, नभ यों रहा खल्वाट
आज है आषाढ़ वदि षष्ठी
उठा था ज़ोर का तूफ़ान
उसके बाद
सघन काली घन घटा से
हो रहा आच्छन्न यह आकाश
आज होगी, सजनि, वर्षा–हो रहा विश्वास
हो रही है अवनि पुलकित, ले रही नि:श्वास
किंतु अपने देश में तो

सुमुखि, वर्षा हुई होगी एक क्या, कै बार
गा रहे होंगे मुदित हो लोग ख़ूब मलार
भर गई होगी अरे वह वाग्मती की धार
उगे होंगे पोखरों में कुमुद पद्म मखान
आँख मूँदे कर रहा मैं ध्यान
लिखूँ क्या प्रेयसि, यहाँ का हाल
सामने ही बह रही भागीरथी, बस यही है कल्याण
जिस किसी भाँति गर्मी से बचे हैं प्राण
आज उमड़ी घन घटा को देख
मन यही करता कि मैं भी, प्रियतमे, उसका करूँ आह्वान
– कालिदास समान
सामने सरपट पड़ा मैदान
है न हरियाली किसी भी ओर
तृण–लता तरुहीन
नग्न प्रांतर देख
उठ रहा सिर में बड़ा ही दर्द
हरा धुँधला या कि नीला –
आ रहा चश्मा न कोई काम
किंतु मुझको हो रहा विश्वास
यहाँ भी बादल बरसने जा रहा है आज
अब न सिर में उठेगा फिर दर्द
गंगा नहाते वक़्त
आया ख्याल
हिमालय में गल रही है बर्फ़ :
आज होगा ग्रीष्म ऋतु का अंत

(i) 'आज वर्षा होगी' कवि के इस अति विश्वास का आधार क्या है ? 1

(a) जेठ मास का समाप्त होना (b) आषाढ़ मास का आगमन

(c) धरती का प्रसन्न होना (d) आकाश में काले बादलों का घिर आना

(ii) 'उठ रहा सिर में बड़ा ही दर्द' – पंक्ति के संदर्भ में कवि के सिर में उठने वाले दर्द का कारण क्या है ? 1

(a) उसके स्वास्थ्य का ठीक न होना (b) समय पर वर्षा न होना

(c) हरियाली विहीन प्रांतर का होना (d) भागीरथी में पानी कम होना

(iii) 'हो रहा आच्छन्न यह आकाश' – पंक्ति में 'आच्छन्न' शब्द का अर्थ है – 1

(a) दबा हुआ (b) ढका हुआ

(c) फैला हुआ (d) बिखरा हुआ

(iv) शहरी मैदान को कवि ने 'नग्न' क्यों कहा है ? 1

(a) तृण विहीन होने के कारण (b) लता विहीन होने के कारण

(c) तरुहीन होने के कारण (d) वनस्पतिहीन होने के कारण

(v) 'हो रही अवनि पुलकित, ले रही नि:श्वास' – काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? 1

(a) अनुप्रास (b) रूपक

(c) यमक (d) मानवीकरण

अथवा

काव्यांश-दो

मैं भी अगर एक छोटा पंछी होता
तो बस्ती-बस्ती में फिरता रहता
सुंदर नद-नालों का यार होता
मस्ती में अपनी झूमता रहता । मैं भी अगर ....
आदमी का गुण मुझ में न होता
ईर्ष्या की आग में न जलता होता
स्वार्थ के युद्ध में न मरता-मारता
बंब-मिसाइल की वर्षा न करता । मैं भी अगर ....
आँख में दौलत का काजल न पुतता
शान के लिए पराया माल न हड़पता
हर मानव मेरा हित-बंदु होता
रंग-रूप पर अपना गर्व न करता । मैं भी अगर ....
तब सारा जग मेरा अपना होता
पासपोर्ट-वीज़ा कोई न खोजता
स्वच्छन्द वन-वन में घूमता होता

विश्व-भर में मेरा अपना राज्य होता । मैं भी अगर …………
प्यार के गीत जन-जन को सुनाता
आवाज से अपनी सब को लुभाता
मानवता की वेदी पर सिर झुकाता
सागर-उर्मिल का झूला झुलाता
मैं भी अगर एक छोटा पंछी होता ।।

(i) पंछी के रूप में कवि की क्या अभिलाषा है ? **1**

(a) समस्त विश्व पर राज्य करने की

(b) समस्त विश्व का भ्रमण करने की

(c) समस्त विश्व में प्रेम-प्रसार करने की

(d) समस्त वन-प्रदेश में स्वतंत्र घूमने की

(ii) 'आदमी का गुण मुझमें होता' – पंक्ति में निहितार्थ 'गुण' से कवि का अभिप्राय है – **1**

(a) आदमी में विद्यमान अवगुण

(b) आदमी में विद्यमान अच्छाइयाँ

(c) आदमी में विद्यमान मानवता की भावना

(d) आदमी में विद्यमान परोपकार की भावना

(iii) प्रस्तुत काव्यांश में कवि समर्थक है – **1**

(a) भ्रमण, हिसां, भ्रष्टाचार और अहंकार का

(b) भ्रमण, अहिंसा, ईमानदारी और शानो-शौकत का

(c) शांति, हिंसा, ईमानदारी और शानो-शौकत का

(d) शांति, अहिंसा, ईमानदारी और विश्व-बंधुत्व का

(iv) 'स्वच्छन्द वन-वन में घूमता होता' पंक्ति में आए 'स्वच्छन्द' शब्द का पर्यायवाची नहीं है – **1**

(a) आज़ाद (b) निरंकुश

(c) मुक्त (d) नियंत्रित

(v) 'सागर-उर्मिल का झूला झुलाता है' – पंक्ति के रेखांकित अंश में कौन-सा अलंकार है ? **1**

(a) रूपक (b) उत्प्रेक्षा

(c) मानवीकरण (d) अतिश्योक्ति

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – **10 × 1 = 10**

सनातन काल से ही भारत में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए योग द्वारा शरीर, मन और मस्तिष्क को पुष्ट किए जाने का उल्लेख मिलता है । इसलिए लोग नीरोग और दीर्घजीवी होते थे ।

भारतीय संस्कृति और दर्शन किसी देश या जाति के लिए नहीं, अपितु समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए है । अत: भारतीय संस्कृति को सच्चे अर्थ में मानवता की संस्कृति कहा जा सकता है । योग हमें वैज्ञानिकता के साथ समग्र जीवन–शैली के प्रति जागरूक करता है, जिससे जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न होता है । साथ ही, इससे न केवल शांतिप्रिय जीवन पद्धति को बढ़ावा मिलता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ मानवतापूर्ण संबंध स्थापित करने का संदेश भी प्राप्त होता है । भारत ने योग को हमेशा से सीमा, संस्कृति और भाषा से ऊपर रखा है । इसे यदि सही तरीके से समझा जाए और नियमित अभ्यास किया जाए, तो कई समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है । 'योग' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'युज्' शब्द से हुई है, जिसका तात्पर्य जोड़ना एवं एकीकरण करने से है । आध्यात्मिक स्तर पर जुड़ने का अर्थ है, आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन और व्यावहारिक स्तर पर योग को शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने तथा सामंजस्य बनाए रखने का एक साधन माना जाता है ।

कोरोना काल में न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर सभी ने योग की महत्ता को देखा और जाना कि योग तनाव घटाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है । यह प्राचीन विद्या है और जीवन को नीरोगी रखने की एक दिव्य विद्या है । कोरोना काल में हम सभी ने अनुभव किया है कि योग हमें भयमुक्त, भाव में जीना सिखाता है । योग स्वस्थ और सुखी रहने के लिए अद्भुत प्रभावी विधि है, इसलिए घर–घर, हर घट, हर घाट पर योग होना चाहिए । योग सदाबहार है, रामबाण है, योग संजीवनी है । योग से तन स्वस्थ और मन विकार–मुक्त होता है । हम योग को एक टोल फ्री नम्बर की तरह उपयोग कर सकते हैं । जिस प्रकार टोल फ्री नम्बर को कोई भी, कहीं से, कभी भी डायल कर सकता है, उसी प्रकार योग भी है । जब तन–मन के लिए सच्चे मन से जागिए, तभी योग साकार हो जाता है । योग के माध्यम से हम जितने गहरे उतरेंगे, उतने शांत होंगे और पाएँगे कि अशांत करने वाले सारे तत्त्वों की धीरे–धीरे पहचान हो रही है और घने अंधेरे की जगह प्रकाश ले रहा है तथा जीवन निरंतर आनंदमय हो रहा है । समस्या शारीरिक हो या फिर पर्यावरण की, इनका समाधान है योग । आज बढ़ते प्रदूषण का समाधान केवल प्रकृतिमय जीवन पद्धति और सतत तथा सुरक्षित विकास में निहित है । यह संदेश योग के माध्यम से जीवन में आता है । अत: योग को आत्मसात कर हम स्वस्थ प्रकृतिमय जीवन जी सकते हैं ।

(i) भारतीय संस्कृति को मानवता की संस्कृति कहे जाने का क्या आधार है ? **1**

(a) समस्त मानव जाति को आश्रय देने की भावना

(b) संसार की सबसे प्राचीन संस्कृति होना

(c) समस्त मानव जाति के प्रति कल्याण की भावना

(d) समस्त मानव जाति को योग की शिक्षा देना

(ii) आध्यात्मिक स्तर पर योग साधन है – **1**

(a) आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन का

(b) आत्मा का शरीर और मन से मिलन का

(c) आत्मा का मन और मस्तिष्क से मिलन का

(d) आत्मा का व्यक्ति और समाज से मिलन का

(iii) कोरोना काल में लोगों को किसके महत्त्व का ज्ञान हुआ ? **1**

(a) अच्छे स्वास्थ्य का (b) योग के महत्त्व का

(c) चिकित्सकों का (d) पेड़–पौधों का

(iv) योग को संजीवनी क्यों कहा गया है ? **1**

(a) विश्व में भारत की पहचान बनाने के कारण

(b) संसार की प्राचीनतम विद्या होने के कारण

(c) ऋषि–मुनियों द्वारा महत्त्व दिए जाने के कारण

(d) शरीर को स्वस्थ बनाने के महत्त्व के कारण

(v) टोल फ्री नंबर से क्या अभिप्राय है ? **1**

(a) संचार–सेवा के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर

(b) मनोरंजन के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर

(c) खरीददारी के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर

(d) शिकायत दर्ज कराने के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर

(vi) योग और टोल फ्री नंबर में क्या समानता नहीं है ? **1**

(a) दोनों का लाभ सबके द्वारा प्राप्त किया जा रहा है ।

(b) दोनों का लाभ कभी भी प्राप्त किया जा सकता है ।

(c) दोनों का लाभ कोई भी प्राप्त कर सकता है ।

(d) दोनों का लाभ कहीं भी प्राप्त किया जा सकता है ।

(vii) गद्यांश के आधार पर प्राचीनकाल में लोगों के नीरोग और दीर्घजीवी होने का क्या कारण था ? **1**

(a) शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण करना

(b) शुद्ध प्राकृतिक वातावरण का होना

(c) खूब शारीरिक परिश्रम करना

(d) योग को जीवन का प्रमुख अंग बनाना

(viii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : **1**

(क) योग तनाव घटाता है ।

(ख) रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है ।

(ग) योग सभी समस्याओं का समाधान है ।

ऊपर लिखित कथनों में से कौन-सा / कौन-से सही है / हैं ?

(a) केवल (क) (b) केवल (ग)

(c) (क) और (ख) (d) (ख) और (ग)

(ix) योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ प्रेरणा भी देता है – **1**

(a) सादा जीवन उच्च विचार रखने का

(b) समस्त विश्व को परस्पर जोड़ने का

(c) समस्त मानव मात्र के कल्याण का

(d) प्रकृतिमय जीवन-पद्धति अपनाने का

(x) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए – **1**

कथन (A) : घर-घर, हर घट, हर घाट पर योग होना चाहिए ।

कारण (R) : योग से तन स्वस्थ और मन विकार-मुक्त होता है ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार उचित विकल्पों का चयन करके लिखिए – **5 × 1 = 5**

(i) मुद्रित माध्यमों की सीमा या कमजोरी के विषय में इनमें से कौन-सा कथन असत्य है ? **1**

(a) इसे आप धीरे-धीरे आराम से पढ़ सकते हैं ।

(b) निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम किसी काम के नहीं हैं ।

(c) इसमें समाचारों को प्रकाशन के लिए स्वीकार करने की समय-सीमा होती है ।

(d) इसमें अन्य संचार माध्यमों की तरह तुरंत घटी घटनाओं को नहीं प्रकाशित कर सकते ।

(ii) वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय जाता है – **1**

(a) रीडिफ डॉट कॉम (b) इंडिया इंफोलाइन

(c) सीफी डॉट कॉम (d) तहलका डॉट कॉम

(iii) तथ्यों या सूचनाओं को उनके घटते हुए महत्त्वपूर्ण क्रम में लिखना, कहलाता है – **1**

(a) उलटा पिरामिड शैली (b) सीधा पिरामिड शैली

(c) कथात्मक शैली (d) वर्णनात्मक शैली

(iv) ख़बर की पुष्टि करने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को कहते हैं – **1**

(a) एंकर-पैकेज (b) फोन-इन

(c) लाइव (d) एंकर-बाइट

(v) समाचार के मुखड़े में खबर लिखी जाने का सही ककार क्रम है – **1**

(a) क्या, कौन, कब, कहाँ (b) क्या, कौन, कब, क्यों

(c) कौन, क्यों, क्या, कैसे (d) क्या, कहाँ, कब, कैसे

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – **5 × 1 = 5**

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था । रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया । बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया । इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए । 'हाय लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई । पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था । दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी । सास को खरी-खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक-फेंककर उसने पिता के चिर विछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की ।

(i) पिता की मृत्यु का समाचार भक्तिन के पास विमाता द्वारा देरी से भेजने का कारण था – **1**

(a) उसे पसंद न करना (b) उससे ईर्ष्या करना

(c) संपत्ति की रक्षा करना (d) कोई साधन न होना

(ii) भक्तिन ने सास के किस व्यवहार को 'अप्रत्याशित अनुग्रह' कहा है ? **1**

(a) बिना कहे ही पिता के घर जाने के लिए कहना

(b) बढ़िया-बढ़िया वस्त्र पहनने के लिए देना

(c) बढ़िया-बढ़िया गहने पहनने के लिए देना

(d) पिता के घर जाने के लिए चना-चबेना देना

(iii) 'पैरों के पंखों का गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ जाना' – का आशय है – **1**

(a) थकावट का दूर हो जाना (b) खुशियों का समाप्त हो जाना

(c) खुशियों का दुख में बदल जाना (d) पैरों की गति का मंद पड़ जाना

(iv) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए – **1**

कथन (A) : लक्ष्मी पिता के घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी ।

कारण (R) : वह पिता के चिर-वियोग और विमाता के व्यवहार से दुखी थी ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - **1**

(क) गाँव की सीमा में पहुँचते ही लक्ष्मी के पैरों में पंख लग गए ।

(ख) लक्ष्मी को देखते ही गाँव वाले उसे सहानुभूतिपूर्ण दृष्टि से देखने लगे ।

(ग) लक्ष्मी ने विमाता पर आया क्रोध पति को खरी-खोटी सुनाकर शांत किया ।

उपरिलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?

(a) केवल (क) (b) केवल (ख)

(c) केवल (क) और (ग) (d) केवल (ख) और (ग)

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – **5 × 1 = 5**

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटती
रोपाई क्षण की
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना

(i) साहित्यिक कृति से जो अलौकिक अमृत–धारा फूटी, वह किसका परिणाम है ? **1**

(a) कवि की कल्पना का (b) किसान की मेहनत का

(c) क्षण में होने वाली रोपाई का (d) क्षण में होने वाली कटाई का

(ii) 'कटाई अनंतता की' के माध्यम से कवि साहित्य की किस विशेषता की ओर संकेत करना चाहता है ? **1**

(a) साहित्य कालजयी होता है।

(b) साहित्य समाज–सापेक्ष होता है।

(c) साहित्य समाज का दर्पण होता है।

(d) साहित्य अनंतता का भंडार होता है।

(iii) रचना कर्म की दृष्टि से साहित्य को 'रस का अक्षय पात्र' क्यों कहा गया है ? **1**

(a) साहित्य जगत में कवि की पहचान अनंतकाल तक बनी रहने के कारण

(b) साहित्य से प्राप्त आनंद के अनंतकाल तक बने रहने के कारण

(c) साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध होने के कारण

(d) साहित्य मनोरंजन का प्रमुख साधन होने के कारण

(iv) कवि कर्म की दृष्टि से 'रोपाई' का अर्थ है **1**

(a) काव्यानंद की अनुभूति (b) फसल की कटाई करना

(c) बीजों की बुवाई करना (d) अनुभूति को शब्द–बद्ध करना

(v) छोटा खेत किसका प्रतीकार्थ है ? **1**

(a) फसल रोपे जाने वाले खेत का।

(b) आकार में छोटे खेत का।

(c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द–बद्ध होती है।

(d) कागज के उस पन्ने का जो पुस्तक में जिल्द–बद्ध रहता है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – **10 × 1 = 10**

(i) यशोधरा बाबू के द्वारा दफ़्तर से लौटते समय कौन-सा काम नहीं किया जाता था ? **1**

(a) रोज बिड़ला मंदिर जाना (b) उद्यान में बैठकर प्रभु भजन सुनना

(c) स्वयं ही प्रभु का ध्यान लगाना (d) स्वयं ही योगासन करना

(ii) आनंदा के पिता के द्वारा स्वयं खेतों में काम न कर अपने बेटे से काम करवाने से, उसके व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है ? **1**

(a) वह अपने बेटे को आत्मनिर्भर बनाना चाहता था ।

(b) वह अपने बेटे को परिश्रमी बनाना चाहता था ।

(c) वह आलसी और कामचोर था ।

(d) वह अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करना जानता था ।

(iii) मुअनजो-दड़ो में खेती-बाड़ी के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले औज़ार बने होते थे – **1**

(a) पत्थर और लोहे के (b) पत्थर और ताँबे के

(c) पत्थर और काँसे के (d) पत्थर और लकड़ी के

(iv) यशोधर बाबू के मातहत उन्हें क्यों पसंद नहीं करते थे ? **1**

(a) वे अपना काम अपने मातहतों से करवाते थे ।

(b) उनके कारण उन्हें दफ्तर में देर तक बैठना पड़ता था ।

(c) वे जूनियरों के साथ कठोर व्यवहार करते थे ।

(d) मातहतों का हँसी-मजाक उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं था ।

(v) दफ़्तर से बाहर निकलते समय यशोधर बाबू किशन दा द्वारा सिखाई गई कौन-सी परंपरा का पालन अवश्य करते ? **1**

(a) जूनियरों के साथ चाय-कॉफी पीना

(b) जूनियरों के साथ मनोरंजक बात करना

(c) अपनी टेबल का सारा काम खत्म करना

(d) जूनियरों के दिन-भर के काम का लेखा-जोखा लेना

(vi) दीवाली बीतते ही गाँव में कैसी चहल-पहल शुरू हो जाती थी ? **1**

(a) खेतों में फसलों की बुवाई शुरू होने लगती थी ।

(b) खेतों में फसलों की कटाई शुरू होने लगती थी ।

(c) ईख पेरने के लिए कोल्हू चलने लगते थे ।

(d) फसलों को बेचने का काम शुरू होने लगता था ।

(vii) आनंदा को स्कूल में फिर से नाम लिखवाने की जरूरत क्यों नहीं पड़ी ? **1**

(a) क्योंकि दत्ताजी राव ने उसे स्कूल पढ़ने के लिए भेजा था ।

(b) क्योंकि उसका नाम रजिस्टर से कटा नहीं था ।

(c) क्योंकि वह गाँव के प्रतिष्ठित परिवार से था ।

(d) क्योंकि उसके पिता के मास्टर जी से घनिष्ठ संबंध थे ।

(viii) आनंदा ने पाठशाला नहीं जाने की बात क्यों सोची ? **1**

(a) लड़कों द्वारा खिल्ली उड़ाये जाने के कारण

(b) मास्टर जी के कठोर व्यवहार के कारण

(c) स्कूल की वर्दी न होने के कारण

(d) कॉपी-किताब न होने के कारण

(ix) मुअनजो-दड़ो की गलियों में टहलते हुए लेखक को किस जगह की याद आई ? **1**

(a) राजस्थान के गाँव कुलधरा की

(b) हरियाणा के गाँव कुलधरा की

(c) गुजरात के गाँव कुलधरा की

(d) पंजाब के गाँव कुलधरा की

(x) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

कथन (A) : सिंधु घाटी सभ्यता लघुता में भी महत्ता का अनुभव कराने वाली संस्कृति थी ।

कारण (R) : (क) लो-प्रोफाइल सभ्यता थी ।

(ख) यहाँ के मूर्तिशिल्प, औजार छोटे हैं ।

(ग) यहाँ मिले नरेश के सिर से छोटे सिरपेंच की कल्पना भी नहीं की जा सकती ।

(a) कथन (A) सही है, पर सभी कारण (R) ठीक नहीं हैं ।

(b) कथन (A) सही है और (ख) और (ग) कारण (R) उसकी सही व्याख्या करते हैं ।

(c) कथन (A) गलत है पर सभी कारण (R) ठीक हैं ।

(d) कथन (A) सही है और तीनों कारण (R) उसकी सही व्याख्या करते हैं ।

खंड – 'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए – **$2 \times 3 = 6$**

(क) कहानी और नाटक में पाई जाने वाली समानताओं और असमानताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) "रेडियो नाटक का लेखन सिनेमा और रंगमंच के लेखन से थोड़ा भिन्न भी है और थोड़ा मुश्किल भी" – कैसे ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ग) कथावस्तु का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य किस आधार पर विभाजित किए जाते हैं ?

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **80** शब्दों में दीजिए : **$2 \times 4 = 8$**

(क) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में से सबसे पुराना माध्यम कौन सा है ? उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

(ग) समाचार लेखन की शैली का विस्तार से वर्णन करते हुए लिखिए कि यह शैली समाचार-लेखन की मानक शैली कैसे बनी।

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – **$1 \times 6 = 6$**

(क) सर्दी की एक कँपकँपाती रात

(ख) जब पिताजी की पदोन्नति हुई

(ग) दिनोंदिन गिरता भू-जल स्तर

(घ) स्वप्न में प्रिय अभिनेता/अभिनेत्री से भेंट

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में दीजिए – **$2 \times 3 = 6$**

(क) 'लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग ईश्वरीय राम का पूरी तरह से मानवीकरण है। सिद्ध कीजिए।

(ख) कविता की उड़ान को फूलों के समान बताते हुए भी कवि ने यह क्यों कहा है कि कविता का खिलना फूल क्या जाने ? 'कविता के बहाने' के संदर्भ में लिखिए।

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में बताइए कि शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति को पर्दे पर दिखाने के पीछे मीडिया कर्मियों का क्या उद्देश्य था ?

11. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में दीजिए – **2 × 2 = 4**

(क) बात और शरारती बच्चे के बीच की समानता 'बात सीधी थी पर' शीर्षक कविता के संदर्भ में लिखिए ।

(ख) शरदकालीन सुबह की तुलना किससे और किस आधार पर की गई है ? 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ग) 'आत्मपरिचय' शीर्षक कविता में कवि की संग्रह के प्रति क्या धारणा है ? स्पष्ट कीजिए ।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए – **2 × 3 = 6**

(क) 'शिरीष के फूल' पाठ में लेखक ने शिरीष, अवधूत और गांधी जी को एक ही श्रेणी में क्यों रखा है ? पाठ के अनुसार इस समानता का आधार स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर राज पहलवान होने पर भी लुट्टन की दुर्गति का कारण क्या था ? लुट्टन के जीवन में आया यह परिवर्तन किस ओर संकेत करता है ?

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में बारिश करवाने के लिए कौन सा अंतिम उपाय किया जाता है ? लेखक इसके लिए क्यों तैयार नहीं होता और जीजी किन तर्कों से इसे सही ठहराती हैं ?

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए – **2 × 2 = 4**

(क) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बाज़ार की कृतार्थता किसमें है ? इसे कृतार्थता कैसे लोग प्रदान करते हैं ?

(ख) कारागार के नाम से भी डरने वाली भक्तिन लाट साहब से लड़ने के लिए क्यों तैयार हो गई थी ? 'भक्तिन' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

(ग) 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर लिखिए कि काल के देवता की मार से बचने का क्या उपाय है ?

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	**1**	**2**	**1**		**10x1=10**
	(i)	(i)	(i)	(c) समस्त मानव-जाति के प्रति कल्याण की भावना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन का	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) योग के महत्त्व का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) शरीर को स्वस्थ बनाने के महत्व के कारण	1
	(v)	(v)	(v)	(a) संचार-सेवा के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(a) दोनों का लाभ सबके द्वारा प्राप्त किया जा रहा है	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(d) योग को जीवन का प्रमुख अंग बनाना	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(c) (क) और (ख)	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(d) प्रकृतिमय जीवन-पद्धति अपनाने का	1
	(x)	(x)	(x)	(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।	1
2	**2**	**1**	**2**	**काव्यांश - एक**	**5x1=5**
	(i)	(i)	(i)	(d) आकाश में काले बादलों का घिर आना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) हरियाली विहीन प्रांतर का होना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) ढका हुआ	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) वनस्पतिहीन होने के कारण	1
	(v)	(v)	(v)	(d) मानवीकरण	1
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**काव्यांश - दो**	
	(i)	(i)	(i)	(c) समस्त विश्व में प्रेम-प्रसार करने की	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) आदमी में विद्यमान अवगुण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) शांति, अहिंसा, ईमानदारी और विश्व-बंधुत्व का	1

	(iv)	(iv)	(iv)	(d) नियंत्रित	1
	(v)	(v)	(v)	(a) रूपक	1
3	3	3	3		5x1=5
	(i)	-	(iii)	(b) शूट करते समय खुद-ब-खुद रिकार्ड होने वाली आवाज़ को	1
	-	(i)	-	(a) इसे आप धीरे - धीरे आराम से पढ़ सकते हैं	1
	-	-	(i)	(a) पाठकों के भाषा, ज्ञान, शैक्षिक - योग्यता का ध्यान रखा जाता है	1
	(ii)	(iii)	(iv)	(a) उलटा पिरामिड शैली	1
	-	(ii)	-	(d) तहलका डॉट कॉम	1
	-	-	(ii)	(a) प्राप्त खबरों को समाचार - पत्र में प्रकाशित करने योग्य बनाना	1
	(iii)	(iv)	-	(d) एंकर बाइट	1
	(iv)	-	-	(a) पूर्णकालिक पत्रकार	1
	(v)	(v)	(v)	(a) क्या, कौन, कब, कहाँ	1
4	4	5	4		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(c) क्षण में होने वाली रोपाई का	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) साहित्य कालजयी होता है	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) साहित्य से प्राप्त आनंद के अनंतकाल तक बने रहने के कारण	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) अनुभूति को शब्द-बद्ध करना	1
	(v)	(v)	(v)	(c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है	1
5	5	4	5		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(c) संपत्ति की रक्षा करना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) बिना कहे ही पिता के घर जाने के लिए कहना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(c) खुशियों का दुख में बदल जाना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	1
	(v)	(v)	(v)	(b) केवल (ख)	1
6	6	6	6		10x1=10
	(i)	-	-	(a) समाज में बदलते जीवन-मूल्यों पर	1
	-	(i)	-	(d) स्वयं ही योगासन करना	1
	-	-	(i)	(d) अपना जीवन मौज-मस्ती में व्यतीत करने के लिए	1
	(ii)	(iv)	(iv)	(b) उनके कारण उन्हें दफ्तर में देर तक बैठना पड़ता था	1
	-	(ii)	-	(c) वह आलसी और कामचोर था	1
	-	-	(ii)	(b) तीन में से एक-न-एक लड़के का सरकारी नौकरी में	1

				आने के विश्वास के कारण	
	(iii)	(v)	(v)	(b) जूनियरों के साथ मनोरंजक बात करना	1
	-	(iii)	-	(b) पत्थर और ताँबे के	1
	-	-	(iii)	(a) सिंधु घाटी सभ्यता स्वयं अनुशासित सभ्यता थी	1
	(iv)	-	-	(a) पिता के गुस्सैल स्वभाव के कारण	1
	(v)	(vi)	(vi)	(c) ईख पेरने के लिए कोल्हू चलने लगते थे	1
	(vi)	(vii)	(vii)	(b) क्योंकि उसका नाम रजिस्टर से कटा नहीं था	1
	(vii)	(viii)	(viii)	(a) लड़कों द्वारा खिल्ली उड़ाये जाने के कारण	1
	(viii)	-	-	(b) ताम्र-काल के शहरों में	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(a) राजस्थान के गाँव कुलधरा की	1
	(x)	(x)	(x)	(b) कथन (A) सही है और (ख) और (ग) कारण (R) उसकी सही व्याख्या करते हैं	1
				खंड 'ब' **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	**7**	**9**	**7**	**(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)**	**6**
				प्रारंभ, समापन	1
				विषयवस्तु	3
				प्रस्तुति	1
				भाषा	1
8	**8**	**7**	**8**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	**समानताएँ -** • दोनों का केंद्र बिंदु कथानक होता है • पात्र और परिवेश होते है • पात्रों के मध्य द्वंद्व होता है • कथानक का क्रमिक विकास होता है • कथा एक उद्देश्य को लेकर आगे बढ़ती है **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **असमानताएँ -** • प्रायः कहानी की संरचना छोटी एवं नाटक की बड़ी होना • कहानी श्रव्य विधा एवं नाटक दृश्य • कहानी को पढ़कर प्रस्तुत किया जाना, नाटक का अभिनय के द्वारा मंचन • कहानी को किसी भी शैली में प्रस्तुत किया जाना, नाटक की केवल संवाद शैली में ही प्रस्तुति संभव • कहानी का लेखक तथा पाठक से जुड़ना, नाटक का लेखक, निर्देशक, पात्र, दर्शक, श्रोता तथा	**1½+1½=3**

				अन्य कई लोगों को एक - दूसरे से जोड़ना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	- रेडियो पूरी तरह श्रव्य माध्यम - सभी कुछ संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से संप्रेषित करना - सिनेमा और रंगमंच की तरह इसमें विज़ुअल्स का न होना - मंच-सज्जा, वस्त्र-सज्जा और चेहरे की भाव-भंगिमाओं का न होना - कहानी का परिचय, द्वन्द्व, समाधान सब कुछ आवाज के माध्यम से ही करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	- समय और स्थान - कथाक्रम और विकास - कथानक के अनुसार दृश्यों के औचित्य पर विचार - विवरणात्मक टिप्पणियों को प्रस्तुत करने के लिए दृश्य तैयार करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
9	**9**	**8**	**9**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x4=8**
	(क)	**(क)**	**(क)**	मुद्रित माध्यम **विशेषताएँ -** - स्थायित्व होना - लंबे समय तक सुरक्षित रखना - सुविधानुसार बार-बार पढ़ सकना - चिंतन-मनन करके संतुष्टि - अपनी रुचि के अनुसार किसी भी खबर को पहले अथवा बाद में पढ़ सकना - जटिल शब्दों के अर्थ शब्दकोश में से देख सकना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**1+3=4**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूप **पत्रकार के प्रकार -** - पूर्णकालिक - किसी समाचार संगठन के नियमित	**1+3=4**

				वेतनभोगी अंशकालिक - एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाले फ्रीलांसर (स्वतंत्र पत्रकार) - भुगतान के आधार पर अलग - अलग समाचार पत्र के लिए काम करने वाले	
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	'उल्टा पिरामिड शैली' समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना (क्लाइमैक्स) पिरामिड के सबसे ऊपरी हिस्से में होना 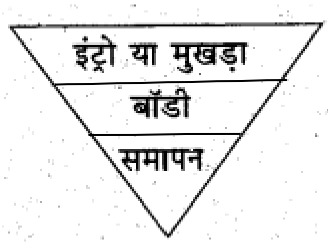 **मानक शैली बनने के कारण -** अमेरिका में गृहयुद्ध के दौरान संवाददाता द्वारा खबरें टेलीग्राफ संदेशों के जरिये भेजना सेवाओं का महंगा, अनियमित और दुर्लभ होना तकनीकी कारणों से कभी-कभी सेवाओं का ठप्प हो जाना खबरों को विस्तार की बजाए संक्षेप में भेजने के लिए 'उल्टा पिरामिड शैली' का विकास लेखन और संपादन की सुविधा **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**3**
10	**10**	**10**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**-**	**-**	खट्टा - मीठा संबंध जगजीवन से पूरी तरह निरपेक्ष रहना संभव नहीं कवि का संसार के साथ प्रीति-कलह का संबंध, जीवन विरूद्धों / विरोधों का सामंजस्य	**1½+1½-3**
	-	**(क)**	**-**	भ्रातृ - शोक में डूबे राम का साधारण मनुष्य की तरह विलाप करना भाई के बिछड़ने के भय से पिता के वचन न मानने की बात कहना	**3**

				• नारी की हानि को विशेष क्षति नहीं बताना • भाई के बिना अयोध्या में अपयश सहने का भय • लक्ष्मण का अपने प्रति अनुराग याद दिलाकर उसे जागृत करने का प्रयास **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	-	-	(क)	• पथिक को लक्ष्य तक पहुँचने की चिंता • चिड़िया के बच्चों का भोजन की आशा में नीड़ों से झाँकना • चिड़िया की अपने भूखे-प्यासे बच्चों तक पहुँचने की शीघ्रता • एकाकी जीवन बिता रहे कवि का व्याकुल और व्यथित मन **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ख)	-	-	• कविता में चिड़िया की उड़ान का सीमित होना तथा कल्पना की उड़ान असीमित होना • कविता के खेल में जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान और भविष्य सभी का उपकरण मात्र होना • कविता का कालजयी होना	3
	-	(ख)	-	• कविता फूलों के समान खिलती, महकती और लोगों को आनंदित करती है • यह कालजयी होती है जबकि फूल के खिलने के साथ उसकी परिणति (मुरझाना) निश्चित है • कविता को फूल के खिलने-महकने की प्रक्रिया से जोड़ा गया है फूल कविता के कालजयी होने के मर्म को समझ नहीं सकते	3
	-	-	(ख)	• बच्चों द्वारा अपने-पराये का कोई अंतर न रखकर सभी को अपना मानना • कवि द्वारा बाल क्रीड़ाओं में मिलने वाले आनंद की अनुभूति को समझना • समाज में आपसी भेदभाव भुलाकर समानता की भावना प्रसारित करना	1+1+1=3

	(ग)	-	-	• किसानों के पास खेती, भिक्षुक के पास भीख, व्यापारी के पास व्यापार और नौकर के पास नौकरी न होना • जीविकाविहीन होने के कारण अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करने की सोच में डूबे रहना • दरिद्रता और भुखमरी का शिकार होना	3
-	(ग)	-		• व्यावसायिक दृष्टि से लाभ की प्राप्ति करना • दर्शकों की भरपूर संवेदना प्राप्त पर अपने चैनल की लोकप्रियता (टी.आर.पी.) बढ़ाना • सामाजिक कार्यक्रम के नाम पर लोगों के दु:ख-दर्द बेचना	3
	-	-	(ग)	• गरमी से तपती-झुलसती धरती को नया जीवन मिलना • धरती के भीतर सोए अंकुरों का नवजीवन की आशा में सिर ऊँचा करके बादलों की उपस्थिति दर्ज कराना • छोटे-छोटे पौधों का हँसते हुए हाथ हिला-हिलाकर बादलों को बुलाते प्रतीत होना	3
11	11	11	11	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	-	-	• संध्या के समय काले-काले बादलों के बीच उड़ते सफ़ेद बगुलों की पंक्ति के सुरमई / सुंदर दृश्य को माया के समान आकर्षक मान उसके आकर्षण में बँध जाना	2
	-	(क)	-	• शरारती बच्चा जैसे किसी की पकड़ में नहीं आता वैसे ही विभिन्न अलंकारों, क्लिष्ट शब्दावली - युक्त कविता (बात) बहुत कोशिशों के बावजूद समझ में नहीं आती	2
	-	-	(क)	• बार-बार प्रयास करने पर भी समय के अभाव में अपाहिज और दर्शक दोनों को एक-साथ रुला न पाने की असमर्थता के कारण	2

	(ख)	-	-	• क्रांति के परिणामस्वरूप अपनी संपत्ति एवं सत्ता के छिन जाने के भय से अपने भवनों मे आतंकित होकर रहना	2
	-	(ख)	-	• खरगोश की लाल आँखों से • शरदकालीन सुबह का लालिमा युक्त, मोहक एवं सौंदर्य से पूर्ण होना	1+1=2
	-	-	(ख)	• अलंकार, छंद-रस, शब्द-शक्ति आदि से भाषा को सजाना • लाक्षणिकता / प्रतीकात्मकता का प्रयोग करना	2
	(ग)	-	-	• सूर्योदय के ठीक पहले का, जब रात का अंधकार गायब हो रहा है और सूर्य की लालिमा क्षितिज पर प्रकाश फैला रही है **तुलना का आधार -** • रात और भोर के बदलते रंगों की साम्यता के आधार पर	1+1=2
	-	(ग)	-	• जीवन में धन-संग्रह की भावना को तुच्छ मानना • सम्पूर्ण विश्व का भौतिकतावादी मानसिकता से ग्रस्त होना एवं कवि द्वारा उस वैभव और समृद्धि को ठुकराना	2
	-	-	(ग)	• कजरारे बादलों के बीच तैरती साँझ की श्वेत काया के समान बगुलों की पंक्ति द्वारा हृदय पर पड़ने वाले प्रभाव का चित्रण • कवि का सब-कुछ भूलकर, उस दृश्य में अटका रह जाना	2
12	12	12	12	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x3=6
	(क)	-	-	• भारत की स्वतंत्रता के 50 से अधिक वर्ष बीत जाने पर भी देश को भ्रष्टाचार और स्वार्थ से मुक्ति नहीं मिल पाना • गरीबों का गरीब ही रह जाना और अमीर का निरंतर अमीर होते चले जाना • सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का	3

				गरीबों तक न पहुँच पाना	
	-	(क)	-	• कठोरता के साथ कोमलता का भाव होना । स्वयं कष्ट सहकार दूसरों के लिए जीने की प्रवृत्ति • शिरीष वृक्ष का गर्मी, सर्दी, बरसात-सभी में शांत बने रहना तथा पल्लवित और पुष्पित होना • अवधूत पर भी सांसारिक परिस्थितियों का कोई प्रभाव नहीं पड़ना तथा जन-कल्याण व ईश्वरीय भक्ति के आनंद मे लीन रहना • गांधीजी जी का अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर किए जाने वाले अन्याय, हिंसा के खिलाफ डटकर खड़े रहना	3
	-	-	(क)	• तीन-तीन बेटियों को जन्म देने के कारण सास और जिठानियों की उपेक्षा सहना • जिठानियों द्वारा बैठकर लोकचर्चा करना और उनके कलूटे लड़कों द्वारा धूल उड़ाना जबकि भक्तिन और उसकी बेटियों द्वारा मट्ठा फेरना, कूटना, पीसना, राँधना, गोबर उठाना, कंडे पाथना आदि कार्य करना • भोजन में जिठानियों के लड़कों को दूध-मलाई, राब-चावल खाने को मिलना, जबकि भक्तिन और उसकी बेटियों को काले गुड़ की डली के साथ कठौती में मट्ठा और चने-बाजरे की घुघरी ही खाने को मिलना	3
	(ख)	-	-	• एक विधवा महिला का वर्चस्व भक्तिन के ससुराल वालों को स्वीकार्य नहीं होना • पति और दामाद की मृत्यु के बाद भक्तिन के जेठ द्वारा छल-कपट का सहारा लेकर अपने साले के बड़े लड़के को उसकी विधवा बेटी के पति-रूप में पंचायत की मदद से थोपना • जबरन थोपे गए दामाद द्वारा भक्तिन की यत्न से सहेजी गई सारी संपत्ति उड़ा देना • लगान अदा न कर पाने पर जमींदार द्वारा उसे दिन भर धूप में खड़े रहने की सजा का कर्मठता में सबसे बड़ा कलंक बनना	3

				• पूरी तरह से समाज और पंचायत द्वारा ठगे जाने पर कमाई की दृष्टि से भक्तिन का शहर आना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	-	**(ख)**	-	**दुर्गति का कारण -** • राजा साहब की मृत्यु के पश्चात सत्ता का उनके पुत्र के हाथों में आना • कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों में उसकी कोई रुचि न होना **संकेत -** • सत्ता परिवर्तन केवल शासन के बदले जाने का ही नाम न होकर लोक कलाओं और कलाकारों का भी अप्रासंगिक हो जाना	**1½+1½=3**
	-	-	**(ख)**	आत्मबल की **आत्मबल से युक्त व्यक्ति की विशेषताएँ** • सांसारिक आकर्षणों के लिए कोई तृष्णा न होना • संचय, लालच और दिखावे से दूर होना **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)** **आत्मबल से हीन व्यक्ति की विशेषताएँ** • संयम का अभाव • ईर्ष्या-द्वेष और संचय की प्रवृत्ति **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)**	**1+1+1=3**
	(ग)	-	-	• जेब भरी और मन खाली होने वाले या जेब खाली और मन भरा न होने वाले लोगों पर • जादू के चढ़ने पर सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाले मालूम होना और सभी का खरीद लिया जाना • जादू के उतरने पर पता चलना कि फैंसी चीजों की अधिकता का आराम में मदद न देकर खलल ही डालना	**1+1+1=3**
	-	**(ग)**	-	**अंतिम उपाय -** • गाँव के बच्चों की इंदर सेना / मेंढक मंडली द्वारा घर-घर जाकर पानी माँगना	**1+1+1=3**

				• लेखक को पानी की कमी होने पर भी, कठिनाई से इकठ्ठा किया हुआ पानी लड़कों पर फेंकना- पानी की निर्मम बर्बादी लगना • इसे पाखंड और अंधविश्वास मानना **जीजी का तर्क -** • इसे पानी की बरबादी नहीं, बल्कि पानी का अर्घ्य मानना • दान-पुण्य में त्याग का महत्त्व मानना	
	-	-	**(ग)**	जनमानस में व्याप्त अंधविश्वासों को देखकर **मन में उठने वाले प्रश्न -** • हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? • हम भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? (अपने अधिकारों की तरह कर्तव्यों के प्रति कब जागरूक होंगे ?) • भ्रष्टाचार से व्याप्त देश की स्थिति कब बदलेगी? **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**1+2=3**
13	**13**	**13**	**13**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**-**	**-**	• मृत्यु के पश्चात चिता पर चित नहीं, पेट के बल सुलाना • चिता सुलगाने के समय ढोलक बजा देना	**2**
	-	**(क)**	**-**	• जरूरत के समय लोगों के काम आना • आवश्यकता का सामान उपलब्ध कराना • भगत जी जैसे लोग, जिनपर बाजार का जादू असर नहीं करता ।	**1+1=2**
	-	**-**	**(क)**	• महामारी फैलने के बाद गाँव का भयार्त शिशु की तरह काँपना • चारों ओर अंधेरा और निस्तब्धता छाना • सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज आना • झोंपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज आना • 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर सुनाई देना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

	(ख)	**-**	**-**	जरा और मृत्यु - दोनों ही जगत के अतिपरिचित और अतिप्रमाणिक सत्य बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने जीवन में भी बदलाव को स्वीकारना	**2**
	-	**(ख)**	**-**	महादेवी जी के प्रति अपनी कर्तव्यनिष्ठा सेविका के रूप में समर्पण भाव जहाँ स्वामी, वहीं सेवक वाली सोच महादेवी की सुख-सुविधाओं का ध्यान रखने का भाव **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**-**	**(ख)**	शिरीष के वृक्ष की भाँति देश में व्याप्त मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर के बवंडर के बीच अपने आत्मबल के सहारे अविचल खड़े रहना एक अनासक्त योगी की तरह अंग्रेजों का डटकर सामना करना **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)**	**1+1=2**
	(ग)	**-**	**-**	**कोमल -** स्वयं कष्ट सहकर दूसरों के लिए जीने की प्रवृत्ति इच्छा होने पर भी भक्तिन को अपनी सेवा से हटा न पाना स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर भी भक्तिन का अवज्ञा से हँस देना छाया की तरह लेखिका के सुख-दु:ख में साथ रहना संबंधों में आत्मीयता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(ग)**	**-**	हिलते-डुलते रहना स्थान बदलते रहना ऊर्ध्वमुखी होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

	-	-	(ग)	" रोटियाँ अच्छी सेंकने के प्रयास में कुछ अधिक खरी हो गई हैं, पर अच्छी हैं " - कहना तरकारियाँ थीं, पर जब दाल बनी है, तब उनका क्या काम, तर्क देकर - शाम को दाल न बनाकर सिर्फ तरकारी बना देना स्वयं को अनाड़िन या फूहड़ न मानना "ससुर, अजिया ससुर, अजिया सास आदि ने उसकी पाक-कुशलता के लिए अनेक मौखिक प्रमाण-पत्र दिए" कहकर पाक-कुशलता सिद्ध करना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

****